RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 093
दि. 01.08.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी का वाराणसी दौरा... 51वीं बार आएंगे अपने संसदीय क्षेत्र, देंगे 2183 करोड़ की सौगात, पूरे पूर्वांचल को होगा फायदा

(जीएनएस)।

वाराणसी , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के 51वें दौरे पर आ रहे हैं. अपने इस एक दिवसीय दौरे में प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी में लगभग 2 घंटे बिताएंगे. इस दौरान वो जनसभा को भी संबोधित करेंगे. उनकी जनसभा सेवापुरी ब्लाक के कालिकाधाम (बलौनी) में होनी है. इसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं.

गौरतलब है कि जब कभी प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र में आते हैं, तो अक्सर कुछ बड़ा ऐलान करते हैं और परियोजनाओं की बड़ी सौगात भी देते हैं. इस बार भी वह 2183.45 करोड़ रुपये की लागत वाली कुल 52 परियोजनाओं की सौगात काशीवासियों को देंगे.

इस दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी जाने वाली परियोजनाओं का लाभ न केवल वाराणसी, बल्कि पूर्वांचल की जनता को भी मिलेगा. इसके अलावा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त के रूप में 9.7 करोड़ किसानों के लिए 20 हजार 500 करोड़ रुपये की किस्त भी जारी करेंगे.

प्रधानमंत्री मोदी 2 अगस्त को सुबह लगभग 10 बजकर 25 मिनट पर वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वायुसेना के विशेष विमान से पहुंचेंगे, जहां से वे सीधे जनसभा स्थल हेलीकॉप्टर से पहुंच जाएंगे.

वहीं, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अंतर्गत काम करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एलिम्को की ओर से प्रधानमंत्री चुनिंदा कुछ दिव्यांगजनों और वयोश्री योजना के तहत अपने हाथों से उपकरण बांटेंगे. इसके बाद 2025 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी बांटा जाएगा. इसमें वाराणसी के सेवापुरी, आराजीलाइन और बड़ागांव के लाभार्थी शामिल किए गए हैं.

तैयारियों जोरों पर, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जनसभा स्थल और तैयारियों की बात करें तो प्रशासनिक स्तर पर लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. मानसून के मौसम में खासकर बारिश के मद्देनजर सभी तैयारी है. जनसभा स्थल पर 50 हजार लोगों के आने की उम्मीद जताई जा रही है, लिहाजा जर्मन हैंगर के अलावा पूरे पंडाल को वाटरप्रूफ रखने के निर्देश दिए गए हैं. वहीं, प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर एसपीजी भी पहुंचकर सुरक्षा जांच में जुट गई है.

प्रधानमंत्री मोदी के आगमन के मद्देनजर न केवल प्रशासनिक स्तर पर, बल्कि भारतीय जनता पार्टी भी पूरे जोर-शोर से लग गई है, जिसके तहत पूरे वाराणसी में स्वच्छता अभियान भी चलाया जा रहा है. शहर के प्रमुख चौराहों, पार्कों, महापुरुषों की प्रतिमाओं एवं मठ-मंदिरों के आसपास स्वच्छता की जा रही है. इसमें मंत्री, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं. प्रधानमंत्री की जनसभा की व्यवस्था में लगे कार्यकताओं की बैठक भी संपन्न हुई है, जिसमें जनसभा स्थल को 20 ब्लॉकों में बांटा गया है और चाक-चौबंद व्यवस्था के लिए प्रत्येक ब्लॉक के इंचार्ज भी बनाए गए हैं. लोकार्पित और शिलान्यास होने वाली प्रमुख परियोजनाएं :

* 565.35 करोड़ की लोकार्पित होने वाली 14 परियोजनाएं- वाराणसी-भदोही फोरलेन मार्ग (269.10 करोड़), मोहनसराय अदलपुरा रोड पर आरओबी (42.22 करोड़) व अन्य।

चित्रकूट की पावन धरा श्रद्धेय नानाजी देशमुख की कर्मस्थली और पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज की पावन जन्मस्थली : मुख्यमंत्री

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि चित्रकूट की पावन धरा श्रद्धेय नानाजी देशमुख की कर्मस्थली, पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज की पावन जन्मस्थली है। चित्रकूट की महिमा हमारे वेदों, पुराणों तथा शास्त्रों में वर्णित है। चित्रकूट एक समृद्ध विरासत के साथ आगे बढ़ा है। महर्षि भारद्वाज तथा महर्षि वाल्मीकि की प्रेरणा से भगवान श्रीराम ने माता जानकी तथा भाई लक्ष्मण जी के साथ 14 वर्षों के वनवास के दौरान अपना सर्वाधिक समय चित्रकूट में व्यतीत किये थे।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद चित्रकूट के कृषि विज्ञान केन्द्र गनीवां में पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा का अनावरण करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने हरिशंकरी का पौधरोपण किया तथा कृषि विभाग द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री जी ने कृषि विज्ञान केन्द्र में स्थित परमानन्द आश्रम पद्धति विद्यालय पहुंचकर विद्यार्थियों को चॉकलेट दीं तथा उनका कुशलक्षेम पूछा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज पूज्यपाद तुलसीदास जी महाराज की पावन जयन्ती है। इस अवसर पर श्रद्धेय नानाजी की इस कर्मस्थली पर गनीवां में कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से किए जा रहे लोक कल्याणकारी कार्यों का अवलोकन करने का तथा पूज्य संत तुलसीदास जी महाराज की भव्य एवं दिव्य प्रतिमा का लोकार्पण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने मुख्यमंत्री बनने पर उनसे बुन्देलखण्ड का दौरा करने के लिए कहा था। उन्होंने बुन्देलखण्ड की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए कहा था। हमारे शास्त्रों ने उस समय के भारत की सामाजिक व्यवस्था का आधार कोल, भील, निषाद सहित अन्य जनजातियों का मनोहर वर्णन किया है।

संक्षिप्त समाचार

बीकानेर : खूंटी पर टंगी स्कूल की टाई बनी फंदा

राजस्थान के बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र के गुसाईसर बड़ा गांव में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां पर एक मासूम की ज़िंदगी एक पल में थम गई। 10 साल का कानाराम स्कूल से लौटकर अपने छोटे भाई के साथ घर पर खेल रहा था। तभी स्कूल की टाई कमरे की दीवार पर लगी खूंटी में उलझ गई, और वही टाई उसकी मौत की वजह बन गई। मीडिया की खबरों के अनुसार बुधवार शाम कानाराम स्कूल से लौटा था। मां रसोई में गई और दोनों भाई कमरे में खेलते रह गए। तभी हादसा हुआ। खेलते-खेलते कानाराम की टाई किसी तरह दीवार की खूंटी में फंस गई।

पहलगाम आतंकी हमले पर यूएनएससी की रिपोर्ट, पाकिस्तान की सबसे बड़ी साजिश हुई बेनकाब

(जीएनएस)।

जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल 2025 को हुआ पहलगाम आतंकी हमला फिर चर्चा में है। ऑपरेशन सिंदूर में पहलगाम हमले के 3 आतंकियों को मार गिराए जाने की मुद्दा लोकसभा तक में गूंजा है। इस बीच पहलगाम हमले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें पाकिस्तान का झूठ बेनकाब हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की मॉनिटरिंग टीम की रिपोर्ट में पहली बार द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम लिया गया है। यह वही आतंकी संगठन है, जिसने पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, बाद में वह पाकिस्तानी सेना के दबाव में अपने बयान से मुकर गया।

मीडिया में छपी खबर के अनुसार यूएनएससी की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान टीआरएफ जैसे अपने आतंकी संगठनों को स्थानीय रूप देने की कोशिश करता है, ताकि बड़े आतंकी संगठन जैसे लश्कर-ए-तैयबा व जैश-ए-मोहम्मद से दुनिया का ध्यान हटाया जा सके। पाकिस्तान की यह रणनीति अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने उजागर हो चुकी है।

यूएनएससी ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जो लश्कर-ए-तैयबा से सीधे तौर पर जुड़ा आतंकी संगठन है, पहलगाम आतंकी हमले में शामिल था। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह हमला लश्कर की सहायता के बिना संभव नहीं था। साथ ही, आशंका जताई गई है कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का लाभ आतंकी संगठन उठाने की कोशिश कर सकते हैं।

भारतीय सेना ने पुंछ में एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे दो

राजकुमार राव मुश्किल में फंसे, एफआईआर, अरेस्ट वॉरंट और फिर एक्टर ने कोर्ट में किया सरेंडर, जानें क्या है आरोप?

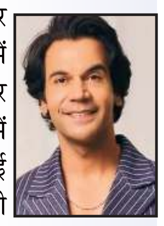

एक्टर राजकुमार राव बड़ी मुसीबत में फंस चुके हैं। एक्टर के खिलाफ थाने में एफआई दर्ज करवाई गई है और समन भी भेजा गया। लेकिन कुछ ऐसा हुआ कि एक्टर राजकुमार के खिलाफ अरेस्ट वारेंट जारी कर दिया गया। दरअसल, उन पर धार्मिक भावना भड़काने का आरोप लगा है। कोर्ट में पेश ना होने के कारण उनके खिलाफ अरेस्ट वॉरंट जारी कर दिया गया, जिसके बाद उन्हें जालंधर कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा था। जानते हैं क्या पूरा मामला क्या है? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजकुमार राव के खिलाफ धार्मिक भावना भड़काने का केस दर्ज किया और उसके बाद

राजस्थान में भारी बारिश, धौलपुर में सेना बुलानी पड़ी, नाव में सवार होकर गांव पहुंचे कलेक्टर

(जीएनएस)।

राजस्थान में आसमान से बरसी आफत ने जनजीवन को पूरी तरह से थाम दिया है। बीते दो दिनों की मूसलाधार बारिश ने सड़कों को नदियों में तब्दील कर दिया, गांव टापू बन गए और हालात इतने बिगड़े कि धौलपुर में सेना को मैदान में उतरना पड़ा। 13 जिलों के स्कूलों में आज अवकाश घोषित करना पड़ा है।

सवाई माधोपुर में हाईवे बह गए, तो कोटा में कलेक्टर नाव से गांव पहुंचते दिखे। चंबल खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और राहत-बचाव के लिए प्रशासन व सेना की टीमें मोर्चा संभाले हुए हैं। सावन की रिमझिम अब कहर बन गई है।

जयपुर बना जलपुर

राजस्थान के सवाई माधोपुर, धौलपुर समेत हाड़ोती और शेखावाटी क्षेत्र के आस-पास के इलाकों में बुधवार सुबह से ही सावन की झड़ी लगी हुई है। गुरुवार दोपहर तक रिमझिम बारिश का सिलसिला जारी है। बारिश के कारण दो दिन से सूरज के दर्शन नहीं हुए हैं। राजधानी जयपुर तो जलपुर बन चुका है। जयपुर में जलभराव के कारण हालात बिगड़े हैं। कई इलाके जलमग्न हो गए हैं जिससे ट्रैफिक ठप हो गया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्षतिग्रस्त

सवाई माधोपुर में मध्य प्रदेश से

लगते इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। यहां के खंडार इलाके में 9 इंच पानी बरसने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है। इसी तरह से धौलपुर में चंबल नदी खतरे के निशान से 9 मीटर ऊपर बह रही है। बचाव व राहत कार्य के लिए भारतीय सेना की एक यूनिट को धौलपुर बुलाया गया है।

सवाई माधोपुर में रिकॉर्डतोड़ बारिश

राजस्थान में बीते दो दिन से सवाई माधोपुर में रिकॉर्डतोड़ बारिश हुई है। यहां के खंडार व मानसरोवर में 230-230 एमएम, सवाई माधोपुर में 213, मलारना डूंगर में 218, चौथ का बरवाड़ा में 185, बारां में 173, निवाई में 167 और शाहबाद में 159 एमएम पानी बरसा है।

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

मौसम विभाग ने 31 जुलाई 2025 की दोपहर के लिए अलवर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, झुंझुनूं, चूरू , कोटा, शाहपुरा, टोंक व सीकर के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। राजस्थान आपदा प्रबंधन विभाग जयपुर की ओर से नागरिकों को मोबाइल पर मैसेज करके अलर्ट किया जा रहा है।

कोटा का मदनपुरा गांव बना टापू

मध्य प्रदेश सीमा से सटे कोटा जिले में भी भारी बारिश हो रही है। कोटा के इटावा उपखंड का गांव मदनपुरा टापू बन गया है। कोटा जिला कलेक्टर व कोटा ग्रामीण एसपी राहत व बचाव टीमों के साथ नाव में सवार होकर गांव तक पहुंचे और वहां मोटरसाइकिल पर बैठकर गांव का दौरा किया।

मध्य प्रदेश व राजस्थान में भारी बारिश के कारण चंबल नदी उफान पर है। जलस्तर खतरे के निशान 130.79 मीटर से ऊपर चल रहा है।

'समोसा कहीं छोटा, कहीं बड़ा मिलता है', भाजपा सांसद रवि किशन ने लोकसभा में क्यों कही ये बात?

बीजेपी सांसद और एक्टर रवि किशन ने लोकसभा में देशभर के ढाबों, रेस्टोरेंट और होटलों में खाने की चीजों की क्वांटिटी और रेट पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार से मांग की कि इन जगहों पर परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए एक कानून बनाया जाए। शून्यकाल के दौरान उनने कहा कि किसी भी फूड और डिश के रेट और क्वालिटी में एकरूपता नहीं है। लाखों ढाबे और होटल, जिसमें प्रतिदिन करोड़ों लोग भोजन करते हैं। इन ढाबों और होटल के स्थान और स्तर के अनुसार खाद्य पदार्थों के पैसे ग्राहकों से लिए जाते हैं।

कहीं फाइव स्टार में बड़ा पाओ खाएंगे तो वहां अलग कीमत है। मुंबई में अलग कीमत है।

मालेगांव ब्लास्ट मामला : ना आरडीएक्स मिला, ना बाइक मिली, एनआईए कोर्ट ने सबूतों को बताया कमजोर, पढ़ें फैसले की बड़ी बातें

(जीएनएस)।

29 सितंबर 2008 की रात मालेगांव शहर की भिक्खू चौक में हुए धमाके ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। रमजान के महीने में हुए इस धमाके में 6 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस केस की जांच महाराष्ट्र एटीएस से लेकर एनआईए जैसी शीर्ष एजेंसियों ने की, और सालों तक देश की राजनीति और मीडिया में यह मामला छाया रहा।

अब लगभग 17 साल बाद, एनआईए की विशेष अदालत ने अपने ऐतिहासिक फैसले में बीजेपी की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया है।

कोर्ट ने क्यों दिया बरी करने का फैसला?

ये हैं जज के अहम टिप्पणियां: एनआईए के विशेष न्यायाधीश ए.के. लाहोटी ने फैसले के दौरान स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष यह सिद्ध करने में पूरी तरह विफल रहा कि आरोपियों की भूमिका विस्फोट में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई थी। कोर्ट ने फैसले में कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं, जो इस निर्णय की नींव बनीं:

बाइक को लेकर कोई ठोस सबूत नहीं, कोर्ट ने कहा कि यह साबित नहीं हो सका कि विस्फोटक मोटरसाइकिल में रखा गया था या नहीं।

यह भी स्पष्ट नहीं हुआ कि बाइक किसने पार्क की थी, और वह किसकी थी।, जांच एजेंसियों का दावा था कि बाइक साध्वी प्रज्ञा की है, लेकिन चेसिस नंबर की पुष्टि नहीं हो सकी, जिससे यह साबित नहीं हो सका कि बाइक वाकई उनकी थी। प्रसाद पुरोहित के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं, कोर्ट ने कहा कि प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया या सप्लाई किया, इसका कोई सबूत नहीं है, यह भी साबित नहीं हो पाया कि उन्होंने बम प्लांट किया या करवाया।

जज लाहोटी ने कहा कि घटना के बाद सबूतों को वैज्ञानिक तरीके से इकट्ठा नहीं किया गया। सबूतों के साथ छेड़छाड़ की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

एक्सपट्र्स की मदद से फॉरेंसिक जांच समय पर नहीं हुई, जिससे केस कमजोर हुआ।

नेपाल की संसद के 14 युवा सांसदों और 8 राजनीतिक दलों के नेताओं ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विकास और सहकारिता के क्षेत्र में गुजरात के ऐतिहासिक विकास से प्रभावित हुए नेपाल के सांसद

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात को सभी को साथ रखते हुए सर्वांगीण विकास साधने की विकास की राजनीति का लाभ मिला : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 31 जुलाई : नेपाल की संसद के 14 युवा सांसदों और 8 विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने गुरुवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की।

नेपाल के द फ्री यूथ डेमोक्रेटिक ऑर्गेनाइजेशन के नेतृत्व में ये युवा सांसद और 8 राजनीतिक दलों के नेता एक सप्ताह के गुजरात दौरे पर आए हैं।

इस दौरे के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, द्वारका, सोमनाथ और अमूल डेयरी-आणंद का दौरा करेगा।

इस प्रतिनिधिमंडल ने अपने गुजरात दौरे की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ गांधीनगर में शिष्टाचार भेंट से की।

नेपाल के सांसदों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने बताया कि वे भारत के विकास रोड मॉडल के रूप में गुजरात द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक विकास, सहकारिता और रोजगार के क्षेत्र में किए गए ऐतिहासिक विकास के बारे में जानकर प्रभावित हुए हैं।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने यह भी कहा कि उनके इस दौरे का उद्देश्य भारत-गुजरात से यह जानना और समझना है कि समृद्ध नेपाल के निर्माण के लिए कैसे विकास की राह पर आगे बढ़ा जा सकता है और कैसे लोगों को साथ रखकर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग से विकास किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस संदर्भ में प्रतिनिधिमंडल को गुजरात के प्रभावशाली विकास की पृष्ठभूमि के बारे में स्पष्टता के साथ बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकास की राजनीति का एक नया इतिहास रचा गया है।

वडोदरा मंडल पर मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति (DRUCC) की द्वितीय बैठक का आयोजन मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, वडोदरा में किया गया। बैठक के प्रारंभ में समिति के सचिव व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद समिति के अध्यक्ष एवं वडोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके द्वारा संक्षिप्त प्रेजेंटेशन के माध्यम से सभी सदस्यों को मंडल की गतिविधियों एवं विकास कार्यों से अवगत कराया गया। इस दौरान समिति सदस्यों द्वारा अपने अपने क्षेत्र की रेल समस्याओं, ट्रेनों के स्टॉपेज, विस्तार, नई परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने तथा मंडल के स्टेशनों पर बेहतर यात्री सुविधाएं प्रदान करने के लिए अपने सुझाव दिये । मंडल

रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने सभी सदस्यों के सुझावों पर शीघ्र उचित कार्यवाही का आश्वासन देते हुए कहा कि यात्री सुविधाओं का विकास वडोदरा मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इस आयोजित बैठक में माननीय सदस्यों में सर्वश्री निपम रजनीकांत देसाई, श्री भरत आर गुप्ता, श्री नीलेशकुमार आई पटेल, श्री ईश्वर पी सज्जन, श्री दिलीप वी कोठारी, श्री वंदनकुमार बी पंड्या, श्री ओमकारनाथ तिवारी, श्री एम. हबीब लोखंडवाला, श्री इंद्रवदन एस जोशी, डॉ. पारुल पटेल, श्री केवल एन शाह, श्री व्यास मितलभाई कौशिकभाई, श्री अतुल कुमार एम ब्रह्मभट्ट, श्री शानील वी पटेल, श्री राकेशचंद्र वी व्यास, श्री कांतिभाई एम सोढ़ापरमार, श्री हर्षदभाई सी राददिया और श्री अनिल कुमार शर्मा उपस्थित थे। बैठक के दौरान वडोदरा मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

उर्वशी रौतेला के साथ लंदन में हो गया ऐसा कांड, 70 लाख रुपए से जुड़ा कनेक्शन, क्या हुआ एक्ट्रेस के साथ?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला एक बार फिर सुर्खियों में छा गई हैं। इस बार वजह कोई फैशन स्टेटमेंट या फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़ा चोरी का मामला है। इस खबर के सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर उर्वशी रौतेला को लेकर जबरदस्त चर्चा हो रही है।

उर्वशी रौतेला के 70 लाख रुपए के गहने हुए चोरी

उर्वशी रौतेला ने दावा किया है कि जब वह लंदन के विंबलडन टूनार्मेंट में शामिल होने के लिए वहां पहुंचीं थीं, तब गैटविक एयरपोर्ट पर उनका लग्जरी बैग चोरी हो गया था। बताया जा रहा है कि उस बैग में करीब 70 लाख रुपए के कीमती गहने थे।

उर्वशी के साथ लंदन एयरपोर्ट पर हुआ ऐसा कांड

उर्वशी रौतेला की टीम के तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि एक्ट्रेस मुंबई से एमिरेट्स की फ्लाइट से लंदन पहुंची थीं। लेकिन जब उन्होंने अपना सामान लेने की कोशिश की, तो उनका क्रिश्चियन डायर ब्राउन बैग लगेज बेल्ट से गायब था।

उर्वशी रौतेला ने पहनी ऐसी ड्रेस, फोटो खींचकर पीछे मुड़ीं और फिर दिखा 'सबकुछ', वायरल हो रहा है वीडियो

उर्वशी रौतेला ने पहनी ऐसी ड्रेस, फोटो खींचकर पीछे मुड़ीं और फिर दिखा 'सबकुछ', वायरल हो रहा है वीडियो

उर्वशी रौतेला ने कहा- मेरी किसी ने कोई मदद नहीं की

-अपने बयान में उर्वशी रौतेला ने कहा है- मैं एक प्लैटिनम एमिरेट्स मेंबर और विंबलडन में शामिल होने आई एक ग्लोबल आर्टिस्ट हूं। इस स्थिति ने मुझे बहुत निराश किया है। हमारे पास बैग का टैग और टिकट था, फिर भी बैग लापता हो गया। ये सिर्फ चोरी नहीं, सुरक्षा की बड़ी चूक है।

-उर्वशी रौतेला ने ये भी बताया कि उन्होंने एमिरेट्स कस्टमर सपोर्ट और गैटविक एयरपोर्ट अधिकारियों से कई बार संपर्क किया, लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की। आपको बता दें कि ये पहली बार नहीं है जब उर्वशी रौतेला की ओर से चोरी का मामला सामने आया है।

पूर्व मैनेजर वेदिका प्रकाश शेट्टी पर लगाए थे गंभीर आरोप

इसी महीने उर्वशी रौतेला की मां मीरा रौतेला ने पूर्व मैनेजर वेदिका प्रकाश शेट्टी पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि वेदिका, जो साल 2015 से 2017 के बीच उर्वशी की एक्सिक्यूटिव असिस्टेंट रही थीं, ने कई बार एक्ट्रेस के पर्सनल सामान में हेरफेर और चोरी की थी।

पश्चिम रेलवे वेलांकन्नि त्योहार के लिए बांद्रा टर्मिनस से चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, यात्रियों की सुविधा के लिए तथा वेलांकन्नि त्योहार 2025 की पूर्व संध्या पर अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस और वेलांकन्नि के बीच एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:-

ट्रेन संख्या 09093/09094 बांद्रा टर्मिनस - वेलांकन्नि स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09093 बांद्रा टर्मिनस-वेलांकन्नि स्पेशल बुधवार, 27 अगस्त, 2025 और शनिवार, 06 सितंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 20:40 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः शुक्रवार एवं सोमवार को 07:40 बजे वेलांकन्नि पहुंचेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 09094 वेलांकन्नि-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शनिवार, 30 अगस्त, 2025 और मंगलवार, 09 सितंबर, 2025 को वेलांकन्नि से 00:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वसई रोड, पनवेल, लोनावला, पुणे, दौंड, सोलापुर, कलबुरगि, वाडी, यादगिर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, अदोनि, गुंतकल, गूटी, ताडिपत्रि, यर्रगुंटला, कडप्पा, राजमपेटा, रेणिगुंटा, काटपाडी, वेलूर छावनी, तिरुवण्णामलै, विल्लुपुरम, मयिलाडुतुरै और नागप्पट्टिनम स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09093 की बुकिंग 03 अगस्त, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और क्ष्ङ्कळ्ङ वेबसाइट पर शुरू होगी। उपर्युक्त स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मधु कोड़ा की राह पर प्रशांत किशोर, क्या जनस्वराज बन पाएगा गेमचेंजर या रहेगा हाशिए पर?

(जीएनएस)।

बिहार की सियासत इन दिनों एक सवाल के इर्द-गिर्द घूम रही है - क्या चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर (ढङ), 2025 के चुनाव में कोई बड़ा 'खेल' करने जा रहे हैं? क्या उनकी जन सुराज पार्टी वह तीसरा विकल्प बनकर उभरेगी जिसकी तलाश बिहार के युवा और निराश वोटर सालों से कर रहे थे?

PK की रणनीति और 'BRDK' जातीय फॉमूर्ला

PK की पार्टी सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है। उनके अनुसार, बिहार में बदलाव की लहर है, और जनता पारंपरिक दलों से ऊब चुकी है। उन्होंने ब्राह्मण, राजपूत, दलित और कुर्मी जातियों को केंद्र में रखते हुए 'BRDK' फामूर्ला गढ़ा है, जो जातीय रूप से बंटी बिहार की राजनीति में

असर छोड़ सकता है। लेकिन क्या सिर्फ जातीय गणित और भीड़ जुटाने से सत्ता तक पहुंचा जा सकता है?

जन सुराज को कितनी सीटें?

राजनीतिक विश्लेषकों का आकलन है कि जन सुराज को 10 से 30 सीटों तक मिल सकती हैं, खासकर वहां जहां मुकाबला त्रिकोणीय हो या जहां युवाओं, अति पिछड़ों और दलितों में Prashant Kishor का प्रभाव हो। बिहार में औसत जीत का अंतर करीब 16,825 वोट का रहा है। PK की टीम इसी फासले को टारगेट कर छोटे-छोटे ब्लॉकों में प्रचार कर रही है।

क्या मधु कोड़ा की तरह सीएम बन सकते हैं PK?

2006 में झारखंड में मधु कोड़ा ने निर्दलीय विधायकों की मदद से सीएम बनने का करिश्मा किया था। बिहार में भी अगर कोई गठबंधन बहुमत से चूकता है, और जन सुराज 20-30 सीटें जीतने में सफल रहती है, तो PK एक किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

हालांकि, मधु कोड़ा का उदाहरण बिहार में सीधे लागू नहीं होता, क्योंकि वहां का परिदृश्य अलग था

पश्चिम रेलवे चलाएगी दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा को मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-ओखा और बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन संख्या 09077/09078 बांद्रा टर्मिनस = ओखा स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09077 बांद्रा टर्मिनस-ओखा स्पेशल गुरुवार और रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16:45 बजे ओखा पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 और 17 अगस्त, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09078 ओखा-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शनिवार और मंगलवार को ओखा से 08:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 और 19 अगस्त, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, अहमदाबाद, विरमगाम, सुरेंद्रनगर, वांकानेर, राजकोट, जामनगर और द्वारका स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी - 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09023/09024 बांद्रा टर्मिनस = सांगानेर सुपरफास्ट स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09023 बांद्रा टर्मिनस-सांगानेर सुपरफास्ट स्पेशल गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12:30 बजे सांगानेर पहुँचेगी। यह ट्रेन 7 और 14 अगस्त, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09024 सांगानेर-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल शुक्रवार को सांगानेर से 16:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 8 और 15 अगस्त, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, चौमहला, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09077, 09078 एवं 09023 की बुकिंग 3 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। इन ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भारत की 'मृत अर्थव्यवस्था' वाले बयान पर बुरे फंसे राहुल गांधी, खुद की पार्टी के लोगों ने ही दिखाया आईना

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मृत' बताए जाने वाले बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सहमति जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर कड़ी आलोचना की। गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मृत है। पूरी दुनिया जानती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक मृत अर्थव्यवस्था है।

राहुल गांधी ये बयान देकर अपनों के बीच ही बुरी तरह घिर गए हैं। राहुल गांधी की मोदी सरकार की इस आलोचना का वार उल्टा पड़ गया है। उनकी पार्टी के ही कुछ वरिष्ठ सदस्यों और सहयोगियों ने विपरीत रुख अपनाया है और उनके इस बयान पर अहमति जताया है। इसके साथ ही राहुल के ट्रंप के बयान पर दी गई प्रतिक्रिया पर भाजपा गुस्से से भर उठी है। भाजपा ने राहुल गांधी के इस रवैये को "शर्मनाक" करार दिया है।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने भारत से निर्यात होने वाले सामानों पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 25% टैरिफ पर प्रधानमंत्री से सवाल उठाया। जब उनसे ट्रंप के 'मृत अर्थव्यवस्था' वाले बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई, तो गांधी ने कहा, "हाँ, वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री को छोड़कर बाकी सब यह जानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था 'मृत' है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक तथ्य बताया है।"

गांधी ने आगे कहा, "पूरा विश्व जानता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मृत है। भाजपा ने अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने भारत की आर्थिक, रक्षा और विदेश नीति को तबाह कर दिया है।

'एक भारत के लिए, दूसरा विदेशी आकाओं के लिए', अन्नामलाई ने राहुल गांधी को घेरते हुए इस कांग्रेसी की जमकर तारीफ

'एक भारत के लिए, दूसरा विदेशी आकाओं के लिए', अन्नामलाई ने राहुल गांधी को घेरते हुए इस कांग्रेसी की जमकर तारीफ

शशि थरूर ने क्या कहा?

वहीं, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने राहुल गांधी के स्टैंड से अलग राय रखते हुए कहा, "भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापार वार्ता 'चुनौतीपूर्ण' है। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका अपनी मांगें मनवाने में अनुचित है, तो भारत को अन्य बाजारों की ओर देखना चाहिए। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत पूरी तरह से निर्यात पर निर्भर नहीं है और उसका घरेलू बाजार मजबूत है।"

अपने एक लेख में थरूर ने ट्रंप की टिप्पणियों को भारत की व्यापार और विदेश नीति के प्रति एक 'लेन-देन' वाला और सरलीकृत दृष्टिकोण बताया, जहाँ व्यापार घाटे को व्यक्तिगत अपमान माना जाता है।

राजीव शुक्ला ने क्या कहा?

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने ट्रंप के बयान को "पूरी तरह से गलत" करार दिया। शुक्ला ने स्पष्ट किया कि भारतीय अर्थव्यवस्था मृत नहीं है। उन्होंने कहा, "जब पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह थे तब आर्थिक सुधार किए गए थे। अटल बिहारी वाजपेयी ने उन सुधारों को आगे बढ़ाया। मनमोहन सिंह ने अपने 10 वर्षों में इसे मजबूत किया। मौजूदा सरकार ने भी इस पर काम किया है। हमारी आर्थिक स्थिति बिल्कुल भी कमजोर नहीं है।"

प्रियंका चतुवेर्दी ने क्या कहा?

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुवेर्दी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के अहंकार की आलोचना की और कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा, "यह कहने की आवश्यकता नहीं है, विश्वसनीय डेटा उपलब्ध है जो बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष 5 में है और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसे मृत अर्थव्यवस्था कहना केवल अहंकार या अज्ञानता से ही आ सकता है।"

गुस्से से लाल हुई भाजपा, बोली- वाकई शर्मनाक

भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति को कम आंकने के उनके प्रयास 140 करोड़ भारतीयों का अपमान हैं। मालवीय ने मुद्रास्फीति में 6 साल की गिरावट, जून में ट्रैक्टर बिक्री में 8.7% की वृद्धि जैसे कई आर्थिक संकेतकों का हवाला देते हुए भारत की मजबूत वृद्धि पर प्रकाश डाला।

ट्रंप ने भारत पर लगाया 25% टैरिफ कदम

इससे पहले, बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 1 अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामानों पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। साथ ही, रूस से तेल और सैन्य उपकरण खरीदने पर एक अज्ञात 'जुमार्ना' भी लगाने की बात कही थी।

पश्चिम रेलवे वेलांकन्नि त्योहार के लिए बांद्रा टर्मिनस से चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा के लिए तथा वेलांकन्नि त्योहार 2024 की पूर्व संध्या पर अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस और वेलांकन्नि के बीच एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार है:-

ट्रेन संख्या 09093/09094 बांद्रा टर्मिनस - वेलांकन्नि स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09093 बांद्रा टर्मिनस-वेलांकन्नि स्पेशल बुधवार, 27 अगस्त, 2025 और शनिवार, 06 सितंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 20:40 बजे प्रस्थान करेगी और क्रमशः शुक्रवार एवं सोमवार को 07:40 बजे वेलांकन्नि पहुंचेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 09094 वेलांकन्नि-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शनिवार, 30 अगस्त, 2025 और मंगलवार, 09 सितंबर, 2025 को वेलांकन्नि से 00:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वसई रोड, पनवेल, लोनावला, पुणे, दौंड, सोलापुर, कलबुरगि, वाडी, यादगिर, कृष्णा, रायचूर, मंत्रालयम रोड, अदोनि, गुंतकल, गूटी, ताडिपत्रि, यर्रगुंटला, कडप्पा, राजमपेटा, रेणिगुंटा, काटपाडी, वेलूर छावनी, तिरुवण्णामलै, विल्लुपुरम, मयिलाडुतुरै और नागप्पट्टिनम स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09093 की बुकिंग 03 अगस्त, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। उपर्युक्त स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.inपर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

आसाराम आश्रम की बाउंड्रीवॉल पर क्यों चला बुलडोजर, जेसीबी के सामने हंगामा, जानिए पूरा मामला

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधीनगर स्थित संत आसाराम बापू के आश्रम में 31 जुलाई 2025 को जमीन विवाद को लेकर जिला प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई ने तूल पकड़ लिया। बैरागढ़ तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम खउइ मशीनों के साथ आश्रम की बाउंड्रीवॉल तोड़ने पहुंची, लेकिन आश्रम में पढ़ने वाले बच्चों और संस्कृति बचाओ मंच के कार्यकताओं के तीव्र विरोध के बाद कार्रवाई रोकनी पड़ी।

बच्चों ने JCB के सामने खड़े होकर दीवार तोड़ने से रोका, जिससे करीब तीन घंटे तक हंगामा चला। इस दौरान कुछ बच्चों को मामूली चोटें भी आईं। प्रशासन ने इसे कोर्ट के आदेश पर की गई कार्रवाई बताया, जबकि आश्रम प्रबंधन और समर्थकों ने इसे बच्चों की सुरक्षा के लिए खतरा करार दिया।

31 जुलाई 2025 को दोपहर करीब 12 बजे बैरागढ़ तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम, जिसमें चार मजिस्ट्रेट, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, और भारी पुलिस बल शामिल था, गांधीनगर के आसाराम बापू आश्रम पहुंची। टीम ने आश्रम की 10 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल के 20-25 फीट हिस्से को खउइ मशीनों से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई एक जमीन विवाद से जुड़े कोर्ट के आदेश के तहत की गई थी, जिसमें विवादित जमीन का कब्जा संबंधित पक्षकार को दिलवाना था।

हालांकि, कार्रवाई शुरू होते ही आश्रम में पढ़ने वाले बच्चे और स्टाफ विरोध में उतर आए। बच्चों ने खउइ मशीनों को घेर लिया और दीवार तोड़ने से रोकने के लिए उनके सामने खड़े हो गए। इस दौरान कुछ बच्चों को मामूली चोटें आईं, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। संस्कृति बचाओ मंच के संयोजक चंद्रशेखर तिवारी भी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का विरोध जताया। आश्रम सेवक राहुल सिंह ने कहा, "बाउंड्रीवॉल तोड़ने से बच्चों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। यह आश्रम बच्चों के लिए गुरुकुल है, जहां वे पढ़ाई और संस्कार सीखते हैं।" करीब तीन घंटे के हंगामे के बाद प्रशासनिक टीम को कार्रवाई रोककर वापस लौटना पड़ा।

गांधीनगर में आसाराम बापू के आश्रम का यह विवाद 11 एकड़ जमीन से जुड़ा है, जिस पर आश्रम ने कथित तौर पर अतिक्रमण किया है। 2013 में तहसीलदार आकाश श्रीवास्तव के कार्यालय में शिकायत दर्ज की गई थी कि आश्रम ने दो भूस्वामियों की जमीन पर कब्जा किया है। तहसीलदार कोर्ट ने प्रारंभिक तौर पर आश्रम को अतिक्रमण का दोषी पाया था, लेकिन आश्रम प्रबंधन ने इस फैसले को रउ्ङ (लैंड रेवेन्यू) कोर्ट, बैरागढ़ में चुनौती दी। यह मामला अभी विचाराधीन है।

सबसे कम उम्र की प्रधान का रिकॉर्ड, 21 साल की प्रियंका संभालेंगी पिता की विरासत

(जीएनएस)।

उत्तराखंड पंचायत चुनाव के परिणामों में आदर्श ग्राम सभा सारकोट गैरसैंण चमोली ने नया कीर्तिमान बनाया है। इस गांव की प्रधान 21 साल की प्रियंका निर्वाचित हुई हैं। खास बात ये है कि प्रियंका के पिता भी दो बार गांव के प्रधान रह चुके हैं।

उनके पिता, राजेंद्र नेगी, दो बार इसी ग्राम सभा के प्रधान रह चुके हैं। ऐसे में प्रियंका अब पिता की विरासत को आगे बढ़ाने जा रही हैं। प्रियंका ने राजनीति विज्ञान से ग्रेजुएशन किया है। जिससे अब गांव वालों की उम्मीदें प्रियंका से बढ़ गई हैं।

एक तरफ जहां युवा राजनीति से दूरी बनाए हुए हैं, वहीं इस बार पंचायत चुनावों में युवाओं ने गांव की सरकार चुनने से लेकर जनप्रतिनिधि बनने में काफी दिलचस्पी दिखाई। प्रदेश भर में कई गांवों में युवा प्रधान चुनकर आए हैं। चमोली जिले के

गैरसैंण ब्लॉक की रहने वाली प्रियंका नेगी 21 साल की उम्र में ग्राम प्रधान बन गई हैं। पूरे प्रदेश में आए अब तक परिणामों में प्रियंका सबसे कम उम्र की प्रधान चुनी गई हैं। खास बात ये है कि सारकोट वही गांव है जिसे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोद लिया हुआ है।

पौड़ी जिले के पाबौ//कुई गांव की 22 वर्षीय साक्षी प्रधान चुनी गई। साक्षी देहरादून से बीटेक करके अपने गांव लौटी। जहां उन्होंने क्षेत्र का विकास करने की ठानी। इसके बाद उन्होंने ग्राम प्रधान के पद की दावेदारी की और आज साक्षी कुई गांव की प्रधान चुनी गई है।

चमोली जिला मंडल घाटी में सबसे कम उम्र के प्रधान टॉस से बने। दशौली के बणद्वारा के 23 साल के नितिन प्रधान बने। प्रतिद्वंदी रविन्द्र और नितिन को 138-138 वोट मिले, जिसके बाद टॉस से निर्णय हुआ और नितिन को विजयी घोषित किया गया।

मुनस्यारी के क्वीरीजिमियां गांव की ईशा ग्राम प्रधान का चुनाव जीत गई हैं। वह 22 वर्ष की उम्र में ग्राम प्रधान बनी हैं। उनके गांव से तीन उम्मीदवार मैदान में थे। ईशा की शैक्षिक योग्यता बीए व बीएड है।

अमेरिकन आईटी कंपनी में काम करने वाले दीपेश बने अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया ब्लॉक के महतगांव ग्राम पंचायत के प्रधान चुने गए हैं।

अहमदाबाद स्टेशन पर आरपीएफ स्टाफ अमन कुमार ने आत्महत्या का प्रयास करने वाले मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की जान बचाई

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर दिनांक 31.07.2025 को प्लेटफार्म नंबर 04/05 के साउथ साइड के रेलवे पुल की सीढ़ियों पर एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति द्वारा रस्सी से लटककर आत्महत्या करने का प्रयास किया गया। स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात रेल सुरक्षा बल (RPF) के कांस्टेबल अमन कुमार ने स्टेशन पर उपस्थित कुली की मदद से समय पर हस्तक्षेप कर इस अत्यंत संवेदनशील एवं संकटपूर्ण स्थिति में तत्परता, सतर्कता और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उस व्यक्ति की जान बचाई। उस व्यक्ति के हाथ में कांच की टूटी हुई बोतल भी थी, जिससे स्टाफ को शारीरिक क्षति पहुँच सकती थी, परंतु अपनी शारीरिक क्षति की परवाह किए बगैर कांस्टेबल अमन कुमार ने उस मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की जान बचाई। उनके द्वारा प्रदर्शित साहस, त्वरित निर्णय क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत प्रशंसनीय है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

संसद में बहस के दौरान विपक्ष ने केंद्र सरकार पर दागे तीखे सवाल

सोमवार को अंततः पहलगाम की आतंकी घटना पर लोकसभा में जबरदस्त बहस हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिह ने सोमवार को बहस शुरू करते हुए कहा कि सेना के तीन अंगों के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए यह भी कहा कि इस अभियान को यह कहना कि किसी दबाव में आकर रोका गया गलत और निराधार है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हार मान ली थी और कहा कि अब कार्रवाई रोक दीजिए महाराज। बहुत हो गया। रक्षा मंत्री ने कहा 10 मई की सुबह जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के कई एयरफील्ड पर करारा हमला किया तो पाकिस्तान ने हार मान ली और संघर्ष रोकने की पेशकश की। बहस में विपक्ष ने वेंद्र सरकार पर तीखे सवाल दागे। विपक्ष ने एक सुर में कहा कि सेना के पराव्रम पर उन्हें गर्व है, लेकिन सरकार की रणनीति और विदेश नीति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रोस सांसद गौरव गोगई और दीपेन्द्र हुड्डा ने खासतौर पर सरकार को निशाने पर लिया। कांग्रोस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि पहलगाम हमले के आतंकी अब तक गिरफ्त से बाहर क्यों हैं? उन्होंने पूछा कि ऑपरेशन सिदूर के दौरान कितने विमान गिरे थे? संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की क्या भूमिका थी? उन्होंने पूछा कि जब हम जीत रहे थे तो कार्रवाई क्यों रोकी गई? पाकिस्तान के कब्जे से पीओके क्यों नहीं लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में सुरक्षा चूक की नैतिक जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी चाहिए। अमित शाह जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल के पीछे छिप नहीं सकते। यह चूक उनकी है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश और विपक्ष प्राधानमंत्री के साथ खड़ा था तो अचानक युद्ध विराम वैसे हुआ? अगर पाकिस्तान घुटनों पर था तो आप क्यों झुके? आप किसके सामने झुके? कांग्रोस नेता ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26 बार कहा कि उन्होंने व्यापार की बात करके युद्ध रूकवाया। ट्रंप की क्या भूमिका थी? उन्होंने सरकार से सवाल किया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को अब वापस नहीं लेंगे तो कब लेंगे। मैंने गौरव गोगोई के भाषण के प्रामुख अंश इसलिए बताए हैं क्योंकि मेरा मानना है कि ऑपरेशन सिदूर पर उठाए गए प्राश्नों पर यह बहुत सटीक और जोरदार भाषण था जिसका जवाब सत्ता पक्ष के स्पीकर अभी तक नहीं दे सके। टालने और इधर-उधर की बातों से उलझाए रखना और बयान बदलने से मसला हल नहीं होगा।

कांग्रोस के दीपेन्द्र हुड्डा और टीएमसी सांसद कल्याण बनजा के भाषणों का भी जिव्र करना जरूरी है। कांग्रोस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया लेकिन सरकार की रणनीति में बड़ी खामी रही। विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक की मांग की थी लेकिन सरकार ने नहीं बुलाई। दीपेन्द्र ने सरकार के अमेरिका के साथ संबंधों पर जमकर निशाना साधा। जब तुर्विए ने पाकिस्तान की मदद की तो प्राधानमंत्री साइप्रास गए, अच्छा संदेश दिया, लेकिन असली दुश्मन चीन को संदेश देना था तो वे ताइवान चले जाते। विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि बारबार ट्रंप के इस दावे को लेकर सवाल पूछे जाते हैं कि उन्होंने भारत- पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करवाया। तृणमूल कांग्रोस नेता कल्याण बनजा ने कहा कि ऑपरेशन सिदूर का व्रेडिट सेना का है, इसमें बंटवारा नहीं होना चाहिए। हमने विदेश नीति के मामले में पूरी तरह से सरकार का समर्थन किया, भारत को पाकिस्तान को ऐसा आघात देना चाहिए था, जिसको पूरी दुनिया देखती। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि व्रिकेट में कभी सेंचुरी के करीब 90 रन पर पहुंचने पर इनिग डिक्लियर करने की बात सुनी है? लेकिन यह काम मोदी जी नहीं कर सकते हैं। कोई और नहीं। उन्होंने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां 140 करोड़ देशवासी कह रहे थे कि लड़ाई जारी रखो, जीती हुई बाजी न हारो लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति के सामने आपका कद और छाती 56 इंच से घटकर 36 इंच रह गई है। वहीं असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान का मकसद हमेशा भारत को कमजोर करने का ही है। सरकार का कहना है

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के 7 विभागों के 1 लाख 74 हजार करोड़ रुपए से अधिक के लगभग 32 हाई प्रायोरिटी प्रोजेक्ट्स के कामकाज की सर्वग्राही समीक्षा की

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव की उपस्थिति में सम्बद्ध विभागों के वरिष्ठ सचिवों के साथ गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक का उपक्रम आयोजित किया

सभी विकासोन्मुखी प्रोजेक्ट्स को समयसीमा में तथा गुणवत्तायुक्त मानदंड के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री द्वारा मुख्यतः समीक्षित प्रोजेक्ट्स

- मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया
- खावडा का रिन्यूएबल एनर्जी पार्क
- साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट के 1 से 6 फेज की प्रगति
- सूरत के ड्रीम सिटी के इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि के डेवलपमेंट के लिए सबमिटेड मास्टर प्लान
- कौशल्य = द स्किल यूनिवर्सिटी

गांधीनगर, : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स की समीक्षा बैठक के तीसरे उपक्रम में राज्य सरकार के विभिन्न 7 विभागों के कुल 1 लाख 74 हजार करोड़ रुपए के 32 प्रोजेक्ट्स में हुए कामकाज की प्रगति की समीक्षा की।

इस बैठक में सम्बद्ध विभागों के वरिष्ठ सचिवों ने उनके विभागों के हाई इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स में अब तक हुई कार्यवाही तथा आगामी आयोजन का विस्तृत विवरण दिया।

मुख्यमंत्री ने इस समीक्षा के दौरान स्पष्ट रूप से कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का जो विजन दिया है, उसके अनुरूप विकसित गुजरात के निर्माण के लिए ये सभी विकासोन्मुखी प्रोजेक्ट्स इंटीग्रेटेड एंड हॉलिस्टिक डेवलपमेंट के दिशासूचक हैं।

इस संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रोजेक्ट्स निश्चित समयसीमा में एवं गुणवत्तायुक्त कार्यों के साथ पूरे हों। इतना ही नहीं; प्रोजेक्ट्स में होने वाले विलंब से वित्तीय बोझ न बढ़े; यह भी सुनिश्चित होना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल प्रोजेक्ट में किसानों को भूमि अधिग्रहण के मुआवजे का

भुगतान कार्य अगस्त-2025 तक पूर्ण करने के दिशा-निर्देश भी दिए।

कच्छ के खावडा में आकार ले रहे 30 गीगावाट के हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क का 64 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है और 6862 मेगावाट के रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट कार्यरत हुए हैं।

इतना ही नहीं; मुख्यमंत्री ने दिसंबर-2026 तक आरई पार्क पूर्ण करने के आयोजन के साथ आगे बढ़ने के ऊर्जा विभाग के कामकाज की समीक्षा भी की।

इस समीक्षा बैठक में लोथल में भारत सरकार द्वारा निमार्णाधीन नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स की प्रगति के संदर्भ में बंदरगाह एवं परिवहन विभाग द्वारा बताया गया कि राज्य सरकार ने 400 एकड़ भूमि के आवंटन, जलापूर्ति की पाइपलाइन, विद्युत आपूर्ति की ट्रांसमिशन लाइन तथा सरगवाडा से प्रोजेक्ट साइट तक के मार्ग को चार-मार्गीय करने की कार्यवाही पूर्ण की है।

इसके अतिरिक्त; बैठक में बताया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुलिस स्टेशन, स्टेट पैवेलियन के कार्य प्रगति पर हैं तथा टूरिज्म सर्किट का आयोजन प्रारंभिक चरण में है।

साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री आई. पी. गौतम ने साबरमती रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट के फेज 1 से 6 के अंतर्गत वासणा बैराज से लेकर गांधीनगर थर्मल पावर स्टेशन तक के चरणबद्ध ढंग से किए जाने वाले कामकाज का विवरण दिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सूरत में निर्मित हो रहे ड्रीम सिटी के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सहित जो मास्टर प्लान राज्य सरकार में सबमिट किया गया है, उसके संदर्भ में इस बैठक में चर्चा-परामर्श किया गया।

इस बैठक में श्रम एवं रोजगार विभाग के प्रोजेक्ट्स की समीक्षा के दौरान कौशल्य = द स्किल यूनिवर्सिटी के निर्माण तथा उससे जुड़े विषयों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने समग्र कामकाज तेजी से पूर्ण करने का सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सम्बद्ध सचिवों को सभी हाई प्रायोरिटी प्रोजेक्ट्स में क्वॉलिटी एश्योरेंस तथा टाइमलाइन को प्राथमिकता देने के आवश्यक निर्देश दिए।

इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, प्रोजेक्ट्स से जुड़े विभागों के अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस. एस. राठौड़, विभागों के प्रधान सचिव, मुख्यमंत्री की अपर प्रधान सचिव श्रीमती अवंतिका सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडे तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहभागी हुए।

गुजरात बन रहा फेफड़ों के कैंसर उपचार का राष्ट्रीय केंद्र, 5 सालों में 4,397 मरीजों को मिला जीवनदान

- 2020 से 2024 तक ऋडफ्क्र में फेफड़ों के कैंसर के 4,397 मरीजों का हुआ इलाज
- PMJAY-MA योजना के तहत 3256 मरीजों ने उपचार की सुविधा ली
- कैंसर से बचाव के लिए समय पर जांच और तंबाकू त्याग की GCRI की अपील

गांधीनगर, 31 जुलाई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "स्वस्थ भारत-समृद्ध भारत" के विजन को साकार करने के अनुरूप मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार अपने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाई पर ले जा रही है। कैंसर जैसे घातक रोगों के खिलाफ राज्य की प्रतिबद्धता का केंद्र बना है अहमदाबाद स्थित धी गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (GCRI), जहां पिछले पाँच वर्षों में फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे हजारों मरीजों को आधुनिकतम उपचार मिला है। गुजरात की स्वास्थ्य सेवाओं में किए जा रहे नवाचार और सशक्त पहलें न केवल राज्य, बल्कि पूरे देश को एक सुदृढ़ और स्वस्थ समाज की ओर अग्रसर कर रही हैं।

कैंसर उपचार के लिए मरीजों का गुजरात पर बढ़ता भरोसा

गुजरात सरकार का लक्ष्य है कि

राज्य को वैश्विक स्तर पर मेडिकल सर्विसेज का सर्वश्रेष्ठ केंद्र बनाया जाए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व और राज्य की स्वास्थ्य नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है कि पिछले पाँच वर्षों में फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए गुजरात पर मरीजों का विश्वास लगातार बढ़ा है।

2020 से 2024 के बीच अहमदाबाद स्थित गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (GCRI) में फेफड़ों के कैंसर के कुल 4,397 मरीजों का उपचार हुआ। इनमें 3,597 पुरुष, 799 महिलाएँ और 1 बच्चा शामिल हैं। वर्षवार आँकड़ों की बात करें तो वर्ष 2020 में 700, 2021 में 813, 2022 में 865, 2023 में 933 और वर्ष 2024 में सबसे अधिक 1086 मरीजों ने राज्य में फेफड़ों के कैंसर का उपचार लिया है।

PMJAY योजनाः फेफड़ों के कैंसर मरीजों के लिए जीवनरेखा

गुजरात में फेफड़ों के कैंसर के उपचार को सुलभ और सर्वसुलभ बनाने में ढटखअ-टअ योजना एक सच्ची जीवनरेखा साबित हुई है। बीते पाँच वर्षों में इस योजना के अंतर्गत गुजरात के मरीजों को उन्नत उपचार मिला, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बड़ी राहत मिली है। इस पहल ने न केवल इलाज की वित्तीय बाधाओं को कम किया, बल्कि समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर कई जिंदगियाँ बचाईं।

वहीं, देश के अन्य राज्यों से आए 1426 फेफड़ों के कैंसर के मरीजों को भी गुजरात में उपलब्ध अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से उन्हें नया जीवनदान मिला है। यह साबित करता है कि गुजरात न केवल राज्य के नागरिकों के लिए बल्कि देशभर के मरीजों के लिए भी भरोसेमंद चिकित्सा केंद्र के रूप में उभर रहा है।

विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस पर GCRI की अपीलः जागरूकता ही सबसे बड़ी सुरक्षा

विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस पर GCRI ने लोगों से फेफड़ों के कैंसर की रोकथाम, समय पर जांच और उपचार के लिए सक्रिय कदम उठाने की अपील की है। संस्थान ने चेतावनी दी कि जागरूकता की कमी के कारण भारत में 40% से अधिक मामलों का पता देर से चलता है, जिससे इलाज की जटिलताएँ बढ़ जाती हैं। संस्थान ने उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों, विशेषकर लंबे समय से धूम्रपान करने वालों और प्रदूषकों के संपर्क में रहने वालों से लो-डोज सीटी स्कैन कराने का आग्रह किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि शुरूआती जांच और त्वरित उपचार ही इस बीमारी के खिलाफ सबसे प्रभावी कदम है।

GCRI के निदेशक डॉ. शशांक पंड्या ने इस अवसर पर कहा, "फेफड़ों के कैंसर के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार जागरूकता है। समय पर स्क्रीनिंग, तंबाकू का त्याग और शुरूआती चेतावनी संकेतों की पहचान कई जिंदगियाँ बचा सकती है। हम हर मरीज को उन्नत निदान उपकरण और बहु-विषयक देखभाल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

मेडिकल टूरिज्म का उभरता वैश्विक केंद्रः गुजरात

गुजरात अपनी तेजी से विकसित स्वास्थ्य सेवाओं और आधुनिक अधोसंरचना के साथ देश ही नहीं, विश्व के लिए भी मेडिकल टूरिज्म का भरोसेमंद केंद्र बन रहा है। अहमदाबाद स्थित गुजरात कैंसर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (GCRI) साइबरनाइफ, ट्रू बीम लीनियर एक्सेलेरेटर, टोमोथेरेपी और रोबोटिक सर्जरी जैसी उन्नत तकनीकों और नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (ठऋ), ढएळ-उळ, ढरटअ स्कैन व 3 टेस्ला टफ्क्र जैसे हाई-रेजोल्यूशन उपकरणों के जरिए कैंसर उपचार में अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतर रहा है।

गिल ने किया वो कारनामा, जो नहीं कर पाया कोई भारतीय कप्तान, बनाया ऐसा रिकॉर्ड जो पहले कभी नहीं बना

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच में टीम इंडिया अपना पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच खेल रही है। पहले दिन टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया लंच से पहले भारत ने दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल बैटिंग करने के लिए आए।

शुभमन गिल इस सीरीज में धाकड़ बैटिंग करते हुए आए हैं और इंग्लैंड के गेंदबाजों का धुआं निकाल दिया। इस बीच गिल ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो अन्य कोई भारतीय कप्तान नहीं कर पाया। टेस्ट क्रिकेट में गिल ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

टेस्ट इतिहास में गिल ने ऐसा मुकाम हासिल किया है, जहां तक अन्य कोई भारतीय कप्तान नहीं पहुंच पाया। वह एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं और इस मामले में महान सुनील गावस्कर का कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया है, गिल अब टॉप पर हैं।

गिल ने गावस्कर को पछाड़ा

सुनील गावस्कर ने बतौर कप्तान साल 1979 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध खेलते हुए एक सीरीज में 732 रनों का आंकड़ा प्राप्त किया था, गिल इस आंकड़े से आगे निकलकर टॉप पर आ गए हैं। टॉप पांच की लिस्ट में गिल और गावस्कर के बाद तीन बार विराट कोहली का नाम है।

कोहली भी लिस्ट में शामिल

विराट कोहली ने तीन बार बतौर कप्तान रहते एक सीरीज में धमाल मचाया था। कोहली ने 2016/17 में इंग्लैंड के खिलाफ 655 रन बनाए थे। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट सीरीज में 610 का आंकड़ा हासिल किया था। 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ 593 रनों का आंकड़ा भी प्राप्त किया।

इंग्लैंड ने तेज गेंदबाजों को मदद दिलाने के लिए ग्रीन पिच का निर्माण किया और टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। यह सही साबित हुआ। गेंदबाजों ने काफी स्विंग भी कराई और लंच से पहले जायसवाल और केएल राहुल को पवेलियन की राह दिखा दी।

बतौर कप्तान टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन वाले भारतीय कप्तान

733 - शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, 2025*

732 - सुनील गावस्कर बनाम वेस्टइंडीज, 1978/79

655 - विराट कोहली बनाम इंग्लैंड, 2016/17

610 - विराट कोहली बनाम श्रीलंका, 2017/18

593 - विराट कोहली बनाम इंग्लैंड, 2018

अब पर्दे पर दिखेगी 'हनीमून मर्डर केस' की कहानी, कौन निभाएगा सोनम रघुवंशी का किरदार?

(जीएनएस)।

इंदौर के चर्चित रघुवंशी मर्डर केस ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है, आज भी लोगों के मन ये सवाल है कि आखिर सोनम ने अपने पति राजा की हत्या क्यों की? अगर उसे उसके साथ नहीं रहना था तो ना रहती लेकिन हनीमून पर ले जाकर उसे मारने की क्या जरूरत थी?

फिलहाल सोनम रघुवंशी जेल में हैं, उस पर आरोप है कि उसने अपने तथाकथित प्रेमी और भाड़े के लोगों को हायर करके अपने पति राजा की हत्या की है।

मेघालय पुलिस के मुताबिक तो सोनम ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया, राजा के घरवाले अपने बेटे की मौत के गम में डूबे हुए हैं तो वहीं उनका कहना है कि 'अगर सच में सोनम गुनाहगार है तो उसे फांसी होनी चाहिए।'

सोनम की बेवफाई की कहानी लोग पर्दे पर देख पाएंगे

फिलहाल केस चल रहा है, अब सोनम सच में कातिल है या नहीं इसका फैसला तो अदालत करेगी लेकिन इससे पहले सोनम की बेवफाई की कहानी लोग पर्दे पर देख पाएंगे। दरअसल देश के इस हनीमून मर्डर केस स्टोरी पर फिल्म बनने जा रही है, जिसे कि राजा के घरवालों ने ग्रीन सिग्नल भी दे दिया है।

याकांड पर कौन फिल्म बनाने जा रहा है? तो आपको बता दें कि इस फिल्म को बनाने जा रहे हैं डायरेक्टर एसपी निम्बावत, जिन्होंने इस बारे में राजा के घरवालों से मुलाकात की है। जहां से उन्हें स्वीकृति मिल गई है।

फिल्म की अधिकांश शूटिंग इंदौर में होगी

मीडिया से बात करते हुए डायरेक्टर निम्बावत ने कहा कि 'राजा के साथ जो हुआ है वैसा और किसी के साथ ना हो इसलिए हमने इस पर फिल्म बनाने की सोची है। हमारी कहानी तैयार है, फिल्म की अधिकांश शूटिंग इंदौर में होगी, जबकि कुछ शॉट्स मेघालय में फिल्माए जाएंगे। फिल्म का नाम 'हनीमून इन शिलांग' होगा।'

फिल्म के बारे में राजा के भाई सचिन ने कहा कि 'हम चाहते हैं कि मेरे भाई के साथ जो हुआ है उसके बारे में हर किसी को पचा चले, लोगों को समझ तो आए कि कौन सही था और कौन गलत? मालूम हो कि पहले कहा जा रहा था कि 'इस टॉपिक पर फिल्म बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार आमिर खान बनाने जा रहे हैं लेकिन बाद में ये बात अफवाह निकली।'

सोनम पर फिल्म बनने की खबर के बाद से सोशल मीडिया पर चर्चा गर्म हो गई है कि फिल्म में सोनम का किरदार कौन निभाएगा? लोगों ने तो इसके लिए नाम भी सुझाने लगे हैं लेकिन अभी फिल्म के बनने की खबर सामने आई हैं स्टार कास्ट का खुलासा नहीं हुआ है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी कर दिया गया है।

आइए एक नजर डालते हैं राजा रघुवंशी मर्डर केस पर, इंदौर की रहने वाली सोनम रघुवंशी की शादी राजा रघुवंशी से 11 मई 2025 को हुई थी। दोनों हनीमून मनाने के लिए 20 मई को मेघालय गए थे। 23 मई से दोनों लापता थे, दोनों का मोबाइल भी बंद था। लंबे वक्त से दोनों से संपर्क ना होने की वजह सोनम और राजा के परिवारवालों ने पुलिस की मदद मांगी और फिर मेघालय पुलिस ने जांच शुरू की।

'अंधेरे रूम में बेल्ट से पिटाई, नीले पड़े हाथ-पैर, नंगा कर लटकाने की धमकी'- साध्वी प्रज्ञा की जेल यातनाएं

(जीएनएस)।

31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष एनआईए कोर्ट ने मालेगांव बम विस्फोट 2008 केस में साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत सातों आरोपियों को बरी कर दिया। इस फैसले ने 17 साल पुराने इस हाई-प्रोफाइल मामले को खत्म कर दिया, जिसमें 6 लोगों की मौत और 95 लोग घायल हुए थे।

लेकिन इस फैसले से ज्यादा चर्चा में हैं साध्वी प्रज्ञा की जेल में बिताए 9 सालों की यातनाएं, जिनके खौफनाक खुलासों ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। अंधेरे कमरे में बेल्ट से पिटाई, नंगा कर लटकाने की धमकी और कैंसर तक की वजह-आइए, साध्वी की जुबानी जानते हैं उनकी रूह कंपा देने वाली कहानी...

क्या था मामला?

29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में रमजान के दौरान मस्जिद के पास अंजुमन चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम धमाका हुआ। इस विस्फोट में 6 लोग मारे गए और 95 घायल हुए। जांच में मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा के नाम पर रजिस्टर्ड पाई गई, जिसके बाद महाराष्ट्र अळर ने उन्हें 23 अक्टूबर 2008 को गिरफ्तार किया। अळर ने दावा किया कि यह हमला 'हिंदू चरमपंथियों' ने सांप्रदायिक तनाव पैदा करने के लिए किया। साध्वी प्रज्ञा और कर्नल पुरोहित समेत 11 लोगों पर वअढअ, टउडउअ, और क्ढउ की धाराओं में केस दर्ज हुआ।

साध्वी प्रज्ञा की जेल यातनाएंः रूह कंपा देने वाली कहानी

2018 में साध्वी प्रज्ञा ने अपनी जेल यात्रा के भयावह अनुभव साझा किए, जिन्हें सुनकर हर कोई सन्न रह गया। इंडिया टीवी के आप की अदालत में रजत शर्मा के सामने साध्वी ने रुंधे गले से बताया:-

अंधेरे कमरे में 13 दिन की कैदः 'मुझे अळर ने 13 दिन तक एक छोटे, अंधेरे कमरे में बंद रखा। पहले दिन से ही बेल्ट से पिटाई शुरू हुई।

मेरे हाथ-पैर नीले-काले पड़ गए। मैं एक गिलास पानी भी नहीं पकड़ पाती थी।'

नंगा कर लटकाने की धमकीः 'जेल अधिकारी मुझे गालियां देते थे। उन्होंने मुझे उल्टा लटकाने और नंगा करने की धमकी दी। यह बात कहना मेरे लिए आसान नहीं, लेकिन मैंने जो सहा, वह कोई बहन न सहे।'

24 दिन की लगातार यातनाः 'मुझे 24 दिन तक बिना रुके पीटा गया। जब वे थक जाते, तो गालियां देते। मुझे सोने नहीं दिया जाता था, ताकि मैं मानसिक रूप से टूट जाऊं।

गर्म पानी में नमक डालकर यातनाः 'पिटाई से मेरे हाथों से खून निकलने का डर होता था, तो वे गर्म पानी में नमक डालकर मेरे हाथ डुबोते थे, ताकि फिर से पीट सकें।'

साध्वी ने दावा किया कि पूछताछकर्ता उनसे यह कबूल करवाना चाहते थे कि उन्होंने बम धमाका किया और मुसलमानों की हत्या की। उन्होंने कहा, 'वे मुझसे कहते थे कि मैं आतंकवादी हूं, फ्ऱ आतंकी संगठन है। मुझे एहसास हुआ कि हिंदुत्व को निशाना बनाया जा रहा है। वे चाहते थे कि मैं योगी आदित्यनाथ और RSS नेताओं को फंसाऊं।'

कैंसर और एनकाउंटर की साजिश?

साध्वी ने सनसनीखेज आरोप लगाया कि जेल में तीन नार्को टेस्ट, तीन पॉलीग्राफ टेस्ट, और तीन ब्रेन-मैपिंग टेस्ट किए गए, जिनमें उनके शरीर में रसायन डाले गए। उन्होंने दावा किया, 'इन टेस्ट्स की वजह से मुझे ब्रेस्ट कैंसर हुआ।' साध्वी ने यह भी कहा कि अळर ने एनकाउंटर के बहाने उन्हें मारने की कोशिश की। 'मुझे लगा, अगर वे मुझे मार भी देंगे, तो भी मैं भारत माता के प्रति अपनी निष्ठा नहीं तोड़ूंगी।'

कानूनी लड़ाई और बरी होना

2008-2011: अळर की जांच में साध्वी को मुख्य आरोपी बनाया गया। 2009 में ATS ने 11 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया, जिसमें अभिनव भारत संगठन पर साजिश का आरोप था।

2011: मामला ठक्अ को सौंपा गया। ठक्अ ने अळर की जांच में खामियां पाईं और मकोका हटाने की सिफारिश की।

2016: NIA ने साध्वी समेत कुछ आरोपियों को क्लीन चिट दी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर सात आरोपियों पर मुकदमा चलाने का आदेश दिया।

2017: साध्वी को अप्रैल 2017 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी। कर्नल पुरोहित को अगस्त 2017 में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली।

2018-2024: मुकदमे में 323 गवाहों की जांच हुई, जिनमें से 34 अपने बयानों से मुकर गए। 2024 में कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भी मिली।

31 जुलाई 2025: विशेष ठक्अ कोर्ट ने सबूतों के अभाव में सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मोटरसाइकिल में बम होने का कोई ठोस सबूत नहीं मिला।

साध्वी की राजनीतिक पारी

2019 में साध्वी प्रज्ञा ने बीजेपी के टिकट पर भोपाल-सीहोर से लोकसभा चुनाव लड़ा और कांग्रेस के दिग्गज दिग्विजय सिंह को हराया। उन्होंने अपनी जेल यातनाओं को चुनावी मुद्दा बनाया और कहा, 'मैंने जो दर्द सहा, वह कोई बहन न सहे।' 2024 तक वह सांसद रहीं, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से उनकी सक्रियता कम रही।

मालेगांव विस्फोट के वक्त किसी थी भारत में सरकार? कौन था ढट?

आपको बता दें कि, 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक डॉ. मनमोहन सिंह पीएम रहे और कांग्रेस-नेतृत्व वाली सरकार का नेतृत्व किया।

क्या है इस कहानी का सच?

साध्वी प्रज्ञा की यातनाओं की कहानी ने लोगों को भावुक कर दिया, लेकिन इसने कई सवाल भी खड़े किए। क्या यह एक राजनीतिक साजिश थी? क्या ATS ने जल्दबाजी में साध्वी को फंसाया? या फिर पीड़ित परिवारों को इंसाफ से वंचित रखा गया? 17 साल बाद भी यह मामला रहस्यों से भरा है।

नवागत जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने ग्रहण किया पदभार मीडिया प्रतिनिधियों से की शिष्टाचार भेंट वार्ता

(जीएनएस)।

बहराइच 31 जुलाई। नवागत जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने बहराइच मुख्यालय पहुॅचकर जिला कोषागार में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, नवांगतुक अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा, नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद, वरिष्ठ कोषाधिकारी नरोत्तम शरण, डीडीओ राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पदभार ग्रहण करने के उपरान्त कलेक्ट्रेट सभागार में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ परिचायत्मक भेंट वार्ता में नवागंतुक डीएम श्री त्रिपाठी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता ही उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक

निस्तारण सुनिश्चित कराया जायेगा। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ सभी लक्षित वर्गो को पहुंचाने का हर संभव प्रयास किया जायेगा। डीएम ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि उनके नेतृत्व में जिले के अधिकारी टीम भावना के साथ कार्य करते हुए आकांक्षात्मक जिले के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान करेंगे। उन्होनें मीडिया प्रतिनिधियों से जिले के विकास में सहयोग करने की अपील भी की।

इसके पश्चात अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक के दौरान डीएम ने निर्देश दिया कि विभागीय लक्ष्यों को पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जाय। शासन की मंशानुसार योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचायें। योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की समस्या आती है तो अवगत कराये जिससे समस्या का समाधान किया जा सके। डीएम ने कहा कि विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में में नवाचार को बढ़ावा दिया जाय। आनगोईंग कार्यो को निर्धारित मानक व गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण कराया जाय। उन्होनें कहा कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा लगन व मेहनत के साथ कार्य करते हुए आकांक्षात्मक जनपद को सामान्य जनपदों के श्रेणी में ले जाने का हर संभव प्रयास करें। उन्होनें यह भी निर्देश दिया कि मीडिया व जनता से व्यवहार अच्छा रखें।

दंपती की हत्या के बाद बवालः दो संदिग्धों को ग्रामीणों ने पीटा, छुड़ाने पहुंची पुलिस से धक्का-मुक्की

(जीएनएस)।

बिजनौर।

नूरपुर थाना क्षेत्र के रहमानपुर पुरैनी गांव में दंपती की हत्या के अगले ही दिन माहौल तनावपूर्ण हो गया। गुरुवार सुबह गांव में घूमते दो युवकों को ग्रामीणों ने संदिग्ध समझकर पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी।

सूचना पर डायल 112 और नूरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को ग्रामीणों से छुड़ाकर ले जाने लगी। तभी ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और पुलिस को घेर लिया। महिलाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडों से लैस होकर सामने आ गए। पुलिस के समझाने पर भी जब भीड़ नहीं मानी तो धक्का-मुक्की शुरू हो गई। कुछ ग्रामीणों द्वारा पथराव भी किया गया। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने बल प्रयोग कर युवकों को सुरक्षित बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए छह थानों की पुलिस और पीएसी की

एक बटालियन मौके पर बुलानी पड़ी। पूरे गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

मृतक दंपती की संदिग्ध हत्या से फैला तनाव

बुधवार को गांव के निवासी निपेंद्र कुमार (30) और उनकी पत्नी गीता देवी (28) का शव गांव के बाहर अलग-अलग स्थानों से बरामद हुआ था। ग्रामीणों ने आशंका जताई थी कि अज्ञात चोरों ने हत्या की है। पुलिस जांच में जुटी थी, लेकिन ग्रामीणों में रोष था। गुरुवार को गांव में दो युवकों को टहलते देखकर ग्रामीणों ने शोर मचाया और उन्हें घेर लिया।

ग्रामीणों ने रोका पुलिस वाहन, महिलाओं ने भी किया विरोध

जब पुलिस दोनों युवकों — सोनू सैनी (20) और मोनू सैनी (19), निवासी नूरपुर — को हिरासत में लेकर ले जाने लगी, तो ग्रामीणों ने पुलिस वाहन को रोक लिया। कई महिलाओं ने लाठियों के साथ पुलिस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई। ग्रामीणों ने रास्ते रोक दिए और पुलिस बल को चारों ओर से घेर लिया।

मुकदमा दर्ज, कई ग्रामीण चिह्नित

पुलिस ने हालात काबू में करने के बाद गांव में भारी फोर्स तैनात कर दी है। भीड़ में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा, हमला, पथराव और कानून व्यवस्था भंग करने जैसी धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

एसपी ग्रामीण का बयान

एसपी ग्रामीण विनय कुमार सिंह ने बताया, ह्लगांव में दो संदिग्ध युवकों को चोर समझकर ग्रामीणों ने पकड़ लिया था और मारपीट की। सूचना पर पुलिस ने दोनों को छुड़ाया और अस्पताल भेजा। ग्रामीणों ने पुलिस का विरोध किया, लेकिन स्थिति अब नियंत्रण में है। दोनों पक्ष एक ही समुदाय से हैं। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है ह्व

फिलहाल शांति बनाए रखने के लिए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है और पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है।

उमंग सिल्क एक्स्पो मे फैशन शो का आयोजन किया गया

(जीएनएस)।

लखनऊ, 31 जुलाई 2025: उमंग सिल्क एक्स्पो द्वारा आज लखनऊ के ह्यह्न सफेद बारादरी कैसरबाग, एक फैशन शो का आयोजन किया गया। आयोजित प्रदर्शनी 28 जुलाई से 3 अगस्त 2025 ,समय 11:00 से रात्रि 9:00 तक सफेद बारादरी लखनऊ में चलेगी` इस प्रदर्शनी में वैवाहिक व विंटर कलेक्शन की सम्पूर्ण रेंज आकर्षण छूट पर उपलब्ध है, जिसमें कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के बेहतरीन कलेक्शन प्रस्तुत किए गए हैं। आज हुए भव्य कार्यक्रम में देशभर की साड़ियो का प्रदर्शन किया गया।राखी स्पेशल साड़ियों और सूटों का नया कलेक्शन, 1,50,000 से ज्यादा नवीनतम वैरायटीज और डिजाइन लोगों को आकर्षित कर रही है।

उमंग सिल्क एक्स्पो के आयोजक श्री आशीष कुमार गुप्ता ने बताया कि ह्ल संस्थान द्वरा आयोजित सिल्क एक्स्पो व सेल में देश भर से आए सिल्क बुनकरों व डिजाईनरो ने अपने अपने प्रदेश संस्कृति काव्य और त्यौहारो को सिल्क पर छापा है, लखनऊ में आयोजित उमंग सिल्क एक्स्पो का मकसद देशभर के सिल्क उत्पादों का एक ही छत के तले प्रदर्शनी करना हैह्व

उमंग सिल्क एक्स्पो में कांजीवरम उपाडा, गढ़वाल पटोला , बैंगलोर सिल्क , कांथा वर्क, डकारी जामदानी, पैठानी, बनारसी, भागलपुरी की साड़ियो, कश्मीरी पश्मीना साड़ी, सूट सॉल जैकेट स्टोल आदि बिक्री हेतु उपलब्ध है।

एक्जीवीशन में गुजरात की पटोला सिल्क , तेलांगना की उपाडा सिल्क तमिलनाडु की कांजीवरम सिल्क , महाराष्ट्र की पैठानी सिल्क, पर गई कलाकारी लोगो को अपनी ओर खीच रही है इस प्रदर्शनी में पश्चिम बंगाल के काला हस्ती से आए बुनकर ने भगवान श्री कृष्ण के नोका विहार का द्रश्य सिल्क पर पेंट किया किया है साड़ियो पर बनी डीजायनो में कश्मीरी केशर की डीजायन के साथ ही कश्मीरी कहावा भी है` इसके साथ ही प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ से कोसा, घिचा,मलबरी रॉ सिल्क, एब्लॉक प्रिंटेड सिल्क साड़ी गुजरात से बान्धनी, पाटोला कच्छ एम्ब्रोयडरी , मिरर वर्क एवं डिजाइनर कुर्ती , मध्य प्रदेश से चंदेरी , महेश्वरी काटन एण्ड सिल्क साडी सूट , डकारी जामदानी एवं बनारसी सिल्क , तान्चोयी सिल्क, मैसूर सिल्क की साड़ीयो के साथ धर्मावरम तस्सर, ढाका, वही डिजाइनर ब्लाउज , सलवार सूट, पंजाब की फुलकारी वर्क सूट ट साडी हैदराबाद की हैवी नेकलेस, नोज पिन , रिंग, बैंगल्स, मांग टीका , कमरबंद, और मुंबई वेस्टर्न पैटर्न ज्वैलरी व पालकी ज्वैलरी भी है '

सिरसी में बसिलसिला ए रवानगी ए करबला मजलिस का इनऐकाद

(जीएनएस)।

संभल सिरसी के इमामबाड़ा मोहल्ला सादात में बसिलसिला ए रवानगी ए करबला मजलिस का इनऐकाद किया गया।

मजलिस में मर्सिया ख़्वानी के फरायज जनाब असद अब्बास साहब और उनके हमनवा ने अंजाम दिए।

मजलिस को आली जनाब मौलाना सैयद मोहम्मद असकरी मशहदी साहब ने खिताब किया।

मौलाना ने जियारत इमामे हुसैन के उनवान से खिताब करते हुए कहा कि कौल ए मासूम है कि अगर इंसान को मारफते जियारते हुसैन अलैहिस्सलाम हो जाए तो वह इस दुनिया से रुखसत हो जाए।

उन्होंने कहा कि जो शख्स इमाम हुसैन की जियारत को जाता है वह ऐसे होता है जैसे मां के पेट से अभी पैदा हुआ हो।

मजलिस के आखिर में मौलाना ने इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के बेटे इमाम जैनुल आबादीन अलैहिस्सलाम के मसायब पढ़े।

बलरामपुर अस्पताल में मासूम खुशी की मौत डॉक्टरों की लापरवाही और सरकार की शर्मनाक चुप्पी

निजी-सकारी अस्पतालों में मौत का तांडव, कब जागेगी उत्तर प्रदेश सरकार?

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी होने का गर्व करता है, आज सरकारी और निजी अस्पतालों में डॉक्टरों की घोर लापरवाही के दलदल में फंस चुका है। बलरामपुर सरकारी अस्पताल का ताजा मामला खून खौलाने वाला है, जहां 14 वर्षीय मासूम खुशी की जान महज डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की आपराधिक लापरवाही के कारण चली गई। पीड़ित भाई सुमित सोनकर का आरोप है कि डॉ. आर.एन. मिश्रा और ड्यूटी पर तैनात नर्सें न सिर्फ लापरवाह थे, बल्कि उस वक्त अस्पताल परिसर से नदारद थे, जब खुशी जिंदगी और मौत से जूझ रही थी। सुमित ने वजीरगंज पुलिस और अस्पताल निदेशक को शिकायत पत्र सौंपकर इंसाफ की गुहार लगाई, लेकिन सवाल यह है, क्या यह शिकायत भी फाइलों में दफन हो जाएगी?

यह कोई इकलौता मामला नहीं है। हयात और ऑक्सीजन जैसे निजी अस्पतालों में लापरवाही के पुराने मामले अभी तक अनसुलझे हैं, और सीएमओ की कथित जांच बस कागजी खानापूरी बनकर रह गई है। सरकारी अस्पताल, जो गरीबों की आखिरी उम्मीद होते हैं, आज डॉक्टरों की बेपरवाही और जवाबदेही की कमी के कारण मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक भले ही अस्पतालों का दौरा कर तस्वीरें खिंचवाएं और सुविधाओं का ढोल पीटें, लेकिन हकीकत यह है कि उनके दावे खोखले साबित हो रहे हैं। स्वास्थ्य आपका, संकल्प सरकार का जैसे नारे तब तक बेमानी हैं, जब तक डॉक्टरों की मनमानी और लापरवाही पर लोहे का शिकंजा नहीं कसा जाता।

हालांकि पाठक ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं और पहले भी 15 से ज्यादा डॉक्टरों को बर्खास्त कर अपनी सख्ती दिखाई, लेकिन यह नाकाफी है। बार-बार उजागर होने वाली ऐसी घटनाएं साफ चीख-चीखकर कह रही हैं कि व्यवस्था सड़ चुकी है। डॉक्टर, जो भगवान का रूप माने जाते हैं, आज मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं, और सरकार की चुप्पी इस गुनाह में उनकी भागीदारी को उजागर करती है।

अब बस बहुत हुआ! सरकार को चाहिए कि दोषी डॉक्टरों और स्टाफ को न सिर्फ तत्काल बर्खास्त किया जाए, बल्कि उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हों। ड्यूटी रोस्टर की कड़ाई से निगरानी, स्टाफ की ट्रेनिंग, और एक पारदर्शी शिकायत निवारण तंत्र लागू करना अब ऐच्छिक नहीं, अनिवार्य है। अगर सरकार अब भी मौन रही, तो यह जनता के साथ विश्वासघात होगा। खुशी जैसे मासूमों की मौत का जिम्मेदार सिर्फ लापरवाह डॉक्टर ही नहीं, बल्कि वह तंत्र भी है जो ऐसी लापरवाही को पनपने दे रहा है।

धामपुर में स्कूली वैन खेत में गिरी, 16 बच्चे घायल

(जीएनएस)।

बिजनौर।

धामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में स्कूली बच्चों से भरी वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा गिरी। यह हादसा नहटौर मार्ग पर ढक्का करमचंद से मिलक जहांगीराबाद की ओर जाने वाले संपर्क मार्ग पर हुआ। वैन में सवार 16 स्कूली बच्चे इस दुर्घटना में घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि स्कूल की छुट्टी के बाद सभी बच्चे अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान वैन चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे वाहन सड़क से उतरकर खेत में जा समाई। वैन के पलटते ही बच्चों की चीख-पुकार मच गई और घटना स्थल पर अफरातफरी फैल गई।

आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने दौड़कर वैन में फंसे बच्चों को बाहर निकाला। बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। कई को ख़ुली चोटें भी लगी हैं, जिन्हें परिजन निजी वाहनों से उपचार के लिए अस्पताल ले गए।

घायल बच्चों में अधिकांश मिलक जहांगीराबाद क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही अभिभावक घटनास्थल पर पहुंच गए, जहां रोते-बिलखते परिजनों का गुस्सा भी देखने को मिला।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी जनपद के शेरकोट और अफजलगढ़ क्षेत्रों में स्कूली वैन पलटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कई बच्चे घायल हुए थे। इसके बावजूद स्कूली वाहनों की निगरानी और सुरक्षा मानकों को लेकर पुलिस और परिवहन विभाग की निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्कूली वाहनों की नियमित जांच, चालकों के लाइसेंस की पुष्टि और ओवरलोडिंग पर रोक की मांग की है।

एमाजान ने भारत में एलेक्सा के साथ थर्ड जनरेशन इको शो 5 स्मार्ट डिस्प्ले लॉन्च किया

(जीएनएस)।

लखनऊ, 31 जुलाई 2025: AmÔzo»»f ने भारत में AlexÔ के साथ थर्ड-जनरेशन Echo Show 5 स्मार्ट डिस्प्ले लॉन्च किया है। इसमें एक नया डिजाईन दिया गया है। बिल्ट-इन कैमरा के साथ 5.5" का कंपैक्ट स्मार्ट डिस्प्ले घर की आसानी से निगरानी करता है। इसमें Alex के साथ स्मार्ट होम कंट्रोल दिए गए हैं। पिछली जनरेशन के मुकाबले दोगुने बेस और स्पष्ट वोकल्स के साथ यह अभी तक का सबसे अच्छी साउंड वाला Echo 5 है। यह फंक्शनैलिटी के साथ मनोरंजन भी प्रदान करता है। ग्राहक इसकी मदद से अपने स्मार्ट होम अप्लायंस चला सकते हैं। वो कंपैटिबल होम अप्लायंसेज जैसे सिक्योरिटी कैमरा और वीडियो डोरबेल मैनेज कर सकते हैं। एक नजर में टू-डू लिस्ट और कैलेंडर देख सकते हैं। तथा हैंड्सफ्री रहते हुए म्यूजिक चला सकते हैं। यह सब AlexÔ की मदद से संभव है।

Ôll-»»few Echo Show 5 (3rd Ge»»f) चारकोल और क्लाउड ब्लू कलर्स में केवल 10,999 रुपये के डिस्काउंटेड मूल्य में उपलब्ध है। यह AmÔzo»»f.i»»f, FlipkÔrt या अन्य ऑनलाईन स्टोर तथा फी'ल्ली ॐ' एवं CromÔ के चुनिंदा ऑफलाईन स्टोर से खरीदा जा सकता है।

AmÔzo»»f डिवाईसेज इंडिया के डायरेक्टर एवं कंट्री मैनेजर, दिलीप आर. एस. ने कहा, "हमें नया Echo Show 5 लॉन्च करने की खुशी है। यह AlexÔ की मदद से दैनिक जीवन को बहुत आसान बना देगा। इसमें स्मार्ट डिस्प्ले देकर हमने अपने ग्राहकों की सुविधाओं को बहुत अधिक बढ़ा दिया है। वो बिल्ट-इन कैमरा की मदद से दूर से ही अपने घर की निगरानी कर सकते हैं, अपने स्मार्ट होम को मैनेज कर सकते हैं, और वॉईस कमांड की मदद से हैंड्सफ्री संगीत का आनंद ले सकते हैं तथा रेसिपी और कैलेंडर जैसे विज्युअल कंटेंट देख सकते हैं। यह हमारे ग्राहकों के दैनिक जीवन में सुगमता से शामिल हो जाने वाले स्मार्ट अनुभव पेश करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। हम Echo Show 5 के भारत में सभी परिवारों का एक स्मार्ट साथी बनने के लिए आशान्वित हैं।"

Echo Show 5 के स्मार्ट डिस्प्ले पर ज्यादा देखें व ज्यादा काम करें

Echo Show 5 (3१d Ge»»f) में 5.5" डिस्प्ले के साथ नया व कंपैक्ट डिजाईन दिया गया है। इस डिवाईस में राउंड किनारों के साथ डिस्प्ले पर इन्फिनिटी कवर ग्लास दिया गया है। इसके बेहतर यूजर इंटरफेस के साथ रात में भी स्पष्ट व्यू मिलता है। इस डिस्प्ले पर यूजर्स मौसम के अपडेट एक नजर में देख सकते हैं, स्क्रीन से स्मार्ट होम कंट्रोल ऑपरेट कर सकते हैं, या कंपैटिबल सिक्योरिटी कैमरा वीडियो फीड देख सकते हैं।

Echo Show 5 (3rd Ge»»f) का स्मार्ट डिस्प्ले इसकी बेहतर साउंड के साथ बेडरूम, लिविंग रूम या स्टडी रूम के लिए एक अच्छा मनोरंजन केंद्र बन जाता है। ग्राहक इस पर AmÔzo»»f Prime Video (सदस्यता शुल्क के साथ) की मूवी और टीवी शो देख सकते हैं, ब्राउजर पर म्यूजिक वीडियो देख सकते हैं और वर्कआउट वीडियो को फौलो कर सकते हैं।

अपने घर और प्रियजनों को देखते रहें

Echo Show 5 (3rd Ge»»f) के बिल्ट-इन कैमरा की मदद से ग्राहक

'ड्रॉप-इन' फीचर का उपयोग करके अपने घर की निगरानी कर सकते हैं। वो कंपैटिबल सिक्योरिटी कैमरा और वीडियो डोरबेल को अपनी डिवाईस के साथ पेयर करके स्क्रीन पर वीडियो फीड देख सकते हैं। इस कैमरे की मदद से परिवार और दोस्तों के साथ वीडियो कॉल भी की जा सकती है, जिनके पास स्क्रीन के साथ Echo डिवाईस या अ'ि7 ऐप होता है। ग्राहक घर के अंदर अन्य Echo डिवाईस से कनेक्ट होकर सूचना दे सकते हैं या संदेश भेज सकते हैं। यह उन बड़े घरों के लिए उत्तम है, जिनमें कई Echo डिवाईस हैं।

Echo शो 5 में अब तक की सबसे बेहतर साउंड का आनंद लें

Echo Show 5 (3rd Ge»»f) में अपग्रेडेड स्पीकर सिस्टम दिया गया है, जो अब तक के किसी भी Echo Show 5 के मुकाबले बेहतर साउंड प्रदान करता है। इसमें 1.7" का रियर-फेसिंग स्पीकर है, जिससे पिछली जनरेशन की तुलना में दोगुना बेस और स्पष्ट साउंड मिलती है। यह म्यूजिक, पोडकास्ट और ऑडियोबुक्स सुनने के लिए उत्तम है। AlexÔ की मदद से ग्राहक अपनी वॉईस कमांड द्वारा AmÔzo»»f म्यूजिक, Apple म्यूजिक, Spotify या JioSÔÔv»»f पर गाने, आर्टिस्ट या शैली का निवेदन कर सकते हैं या सीधे Audible से अपनी ऑडियोबुक में जा सकते हैं (इसके लिए अलग सदस्यता शुल्क देय है)। मल्टी-रूम म्यूजिक द्वारा यूजर्स अलग-अलग रूम्स में अन्य Echo डिवाईसेज के साथ कस्टम ग्रुप (उदाहरण के लिए "अपस्टेयर्स") बना सकते हैं और पूरे घर में म्यूजिक की गूंज उत्पन्न कर सकते हैं।

दैनिक टास्क को बनाए स्मार्ट व सरल

Echo Show 5 (3rd Ge»»f) में AlexÔ के साथ हैंड्सफ्री वॉईस कंट्रोल दिए गए हैं, जिनकी मदद से ग्राहक दैनिक काम बहुत आसानी से पूरे कर सकते हैं। वो Alex से कैलेंडर दिखाने के लिए कह सकते हैं। टाईमर या रिमाईंडर सेट कर सकते हैं। टू-डू/शॉपिंग लिस्ट में सामान जोड़ सकते हैं, और ऐसे ही अनेक काम कर सकते हैं। AlexÔ को वॉई कमांड देकर या डिवाईस की स्क्रीन पर टैप करके कंपैटिबल स्मार्ट होम डिवाईस जैसे स्मार्ट लाईट, एसी, फैन, सिक्योरिटी कैमरा, टीवी और गीजर चलाना बहुत आसान हो गया है।

यह डिवाईस नए, ज्यादा तेज एे2 न्यूरल एज प्रोसेसर द्वारा संचालित होती है और इसमें एक बेहतर माईक्रोफोन ऐरे दिया गया है।

प्राईवेसी के लिए निर्मित

Echo Show 5 (3rd Ge»»f) को अनेक परत के प्राईवेसी कंट्रोल के साथ बनाया गया है। इसमें बिल्ट-इन कैमरा शटर, माईक्रोफोन ऑन/ऑफ बटन और अ'ि7 ऐप में वॉईस रिकॉर्डिंग को देखने और डिलीट करने की सुविधा है। AlexÔ और Echo डिवाईस किस प्रकार प्राईवेसी की सुरक्षा करने के लिए डिजाईन की गई हैं, यह देखने के लिए AlexÔ PrivÔcy Hub पर विजिट करें।

शासन के मंशानुसार सड़कों पर नियम तोड़नेवालों पर चारों ओर से शिकंजा कसने की तैयारी परिवहन विभाग ने कर ली है।

अयोध्या, अयोध्या संभाग के जनपदों में आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह सिंह के नेतृत्व में कर न जमा करने वालें व अधूरे प्रपत्रों वाले वाहनो के प्रति कार्यवाही चल रही है। ऐसे सभी वाहन स्वामी जिनके कर बकाया है, फिटनेस, परमिट, एथराइजेशन समाप्त है, को नोटिस प्रेषित की गयी है। साथ ही ऐसे वाहन स्वामियों की सूची भी निकाली जा रही है जिन्होंनें बार-बार नोटिस के बावजूद कर नही जमा कराया है और न ही प्रपत्र वैध करायें हैं। जिन वाहन स्वामियों द्वारा जुलाई माह तक अपना कर नहीं जमा कराया होगा तो अगस्त माह में उनके विरूद्ध भू-राजस्व की भाँति वसूली करने के लिए वसूली पत्र जारी कर दिये जाएंगें। इसके अलावा अधूरे प्रपत्र वाले वाहनों की सूची चेकिंग अधिकारियों को देते हुए निर्देश दिये गये है कि यदि ऐसे वाहनें सड़क पर संचालित पायी जायी तो उनके विरूद्ध चालान/बंद की कार्यवाही की जाय। निजी पंजीकरण वाले वाहनों जिनका वाणिज्यिक उपयोग किया जा रहा है,ऐसे वाहनों के विरूद्ध भी कार्यवाही हेतु चेंकिंग अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मोटरयान अधिनियम की धारा-66 के अंतर्गत व्यावसायिक वाहनों पर परमिट की अनिवार्यता का